GK पुस्तकालय ज्ञान का अभिलेख

अभिक्रिया को पार करनी होती है एक पहाड़ी : सक्रियण ऊर्जा (Activation Energy)

लेख का पता

https://www.gklibrarykor.com/hi/article/7162/

PDF लेआउट का नमूना - केवल अंश

कागज़ और लकड़ी ऐसे पदार्थ हैं जो ऑक्सीजन में जलने पर बहुत ऊष्मा छोड़ते हैं। लेकिन अलमारी में रखी किताब अपने आप नहीं जल उठती। माचिस जलाकर उसकी लौ लगाने पर ही वह जलना शुरू करती है, और एक बार लगी आग अपने आप फैलती जाती है। इसका अर्थ है कि अभिक्रिया होने से पहले एक दहलीज़ पार करनी पड़ती है। इसी दहलीज़ की ऊँचाई को 'सक्रियण ऊर्जा (Activation Energy)' कहते हैं। सरल शब्दों में, सक्रियण ऊर्जा का अर्थ है 'ऊर्जा की वह न्यूनतम पहाड़ी जिसे अभिकारकों को उत्पादों में बदलने के लिए पार करना ही पड़ता है'। पहाड़ी ऊँची हो तो अभिक्रिया धीमी होती है, और पहाड़ी नीची हो तो उसी तापमान पर भी अभिक्रिया तेज़ी से आगे बढ़ती